NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

भारत और ऑस्ट्रेलिया : व्यापार एवं विश्वास के अंतराल के समापन की दिशा में / भारत और ऑस्ट्रेलिया: व्यापार एवं विश्वास की बाधा का समापन

www.nextias.com

भारत और ऑस्ट्रेलिया : व्यापार एवं विश्वास के अंतराल के समापन की दिशा में / भारत और ऑस्ट्रेलिया: व्यापार एवं विश्वास की बाधा का समापन

संदर्भ

- ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग की भारत यात्रा, क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए, ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA) पर चर्चाओं को पुनर्जीवित किया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के बारे में

- भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंध राष्ट्रमंडल, लोकतांत्रिक मूल्यों, क्रिकेट कूटनीति एवं जन-से-जन संपर्कों पर आधारित हैं।
  - हालाँकि, दशकों तक शीत युद्ध के ध्रुवीकरण और भिन्न रणनीतिक प्राथमिकताओं के कारण द्विपक्षीय सहभागिता सीमित रही।
- 2000 के दशक की शुरुआत से संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ, जिसका कारण भारत का आर्थिक उदारीकरण, इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक अभिसरण, चीन की आक्रामकता को लेकर साझा चिंताएँ, और क्वाड समूह के अंतर्गत बढ़ता सहयोग रहा।
- एक बड़ा प्रगति-चरण आया:
  - **नागरिक परमाणु समझौता (2014)** – भारत को यूरेनियम निर्यात की अनुमति
  - **व्यापक रणनीतिक साझेदारी (2020)**
  - **आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ECTA), 2022**
- वर्तमान में व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA) पर वार्ता जारी है।

वर्तमान स्थिति

- **व्यापार एवं आर्थिक संबंध:** द्विपक्षीय माल व्यापार FY21 के $12.2 बिलियन से FY25 में $24.1 बिलियन तक बढ़ा (ECTA के पश्चात)।
  - सेवाओं का व्यापार $10 बिलियन से अधिक हो गया।
  - ECTA के अंतर्गत ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय निर्यात को लगभग 100% बाज़ार पहुँच प्रदान की।
  - भारत ने लगभग 70% शुल्क रियायतें दीं, जो कुल व्यापार मूल्य का लगभग 91% है।
- **निवेश संबंध:** ऑस्ट्रेलिया में भारतीय निवेश लगभग $32 बिलियन है।
  - भारत में ऑस्ट्रेलियाई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) लगभग $18 बिलियन है।
- **रणनीतिक एवं रक्षा सहयोग:** दोनों देश QUAD, इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढाँचे (IPEF), और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के सदस्य हैं।
  - रक्षा सहयोग में AUSINDEX नौसैनिक अभ्यास और समुद्री क्षेत्र जागरूकता शामिल है।
  - लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौता भी है।

- **शिक्षा एवं प्रवासी समुदाय:** भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़े विदेशी छात्र समूहों में से एक हैं।
  - शिक्षा ऑस्ट्रेलिया के सेवाओं के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के प्रमुख आयाम

- **व्यापार एवं आर्थिक सहयोग:** ECTA ने द्विपक्षीय व्यापार को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है।
  - CECA का उद्देश्य बाज़ार पहुँच का विस्तार, निवेश प्रवाह को प्रोत्साहन, गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना, और आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ बनाना है।
  - भारत ऑस्ट्रेलिया को एक विश्वसनीय इंडो-पैसिफिक साझेदार, महत्वपूर्ण खनिजों का स्रोत, और प्रौद्योगिकी एवं स्वच्छ ऊर्जा सहयोग के प्रमुख माध्यम के रूप में देखता है।
- **रणनीतिक एवं इंडो-पैसिफिक सहयोग:** दोनों देश मुक्त, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक, नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था एवं नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।
  - सहयोग क्वाड पहलों, साइबर सुरक्षा सहयोग, और आतंकवाद-रोधी प्रयासों के माध्यम से सुदृढ़ हुआ है।
- **स्वच्छ ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण खनिज:** ऑस्ट्रेलिया के पास लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों का विशाल भंडार है।
  - ये भारत की ऊर्जा संक्रमण, इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र और नवीकरणीय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।
  - दोनों देश हरित हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुदृढ़ीकरण के क्षेत्र में निरंतर सहयोग को विस्तार दे रहे हैं।
- **कृषि एवं खाद्य सुरक्षा:** कृषि CECA वार्ताओं का सबसे संवेदनशील क्षेत्र है।
  - भारत ने परंपरागत रूप से सभी प्रमुख मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) में कमजोर कृषि क्षेत्रों की रक्षा की है।
- **भारत की चिंताएँ:** छोटे एवं विखंडित भू-खण्ड
  - मानसून पर निर्भरता
  - लाखों किसानों की आजीविका सुरक्षा
  - खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएँ
- **ऑस्ट्रेलिया की रुचियाँ:** गेहूँ, डेयरी उत्पाद, दालें और कृषि वस्तुओं के लिए अधिक बाज़ार पहुँच प्राप्त करना।

मुख्य मुद्दे और चिंताएँ

- **व्यापार असंतुलन:** ऑस्ट्रेलियाई निर्यात द्विपक्षीय माल व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है, जिससे ECTA से असमान लाभ और भारतीय निर्यात के सीमित विविधीकरण को लेकर चिंताएँ उत्पन्न होती हैं।
- **कृषि संबंधी संवेदनशीलताएँ:** भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई कृषि संरचना में अत्यधिक अंतर है।
  - **भारत:** औसत खेत का आकार 0.73 हेक्टेयर;
    - कृषि आधी से अधिक जनसंख्या का आधार;
    - आजीविका-आधारित कृषि।

- **ऑस्ट्रेलिया:** औसत खेत का आकार 1,400 हेक्टेयर से अधिक;
    - निर्यात-उन्मुख क्षेत्र;
    - औद्योगिक पैमाने की खेती।
- **बाज़ार पहुँच की माँग:** ऑस्ट्रेलिया CECA के अंतर्गत बाज़ार पहुँच में समानता चाहता है, विशेषकर कृषि, डेयरी और कृषि-प्रसंस्करण क्षेत्रों में।
    - भारत राजनीतिक और सामाजिक प्रभावों के कारण सतर्क बना हुआ है।
- **गैर-शुल्क एवं नियामक बाधाएँ:** जैव-सुरक्षा मानदंड, पादप-स्वास्थ्य मानक और प्रमाणन आवश्यकताओं से संबंधित मुद्दे बने हुए हैं।
    - भारतीय कृषि निर्यात प्रायः विकसित बाज़ारों में नियामक बाधाओं का सामना करते हैं।
- **भारत में सीमित ऑस्ट्रेलियाई निवेश:** बढ़ते व्यापार के बावजूद भारत में ऑस्ट्रेलियाई निवेश अपेक्षाकृत कम है, जबकि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय निवेश अधिक है।

आगे की राह: भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को सुदृढ़ करना

- **बाज़ार पहुँच से पूरकता की ओर परिवर्तन:** केवल शुल्क कटौती पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय CECA को प्रौद्योगिकी साझाकरण, निवेश साझेदारी और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को प्रोत्साहन देना चाहिए।
- **कृषि सहयोग शुल्क से परे:** दोनों देशों को मानकों की पारस्परिक मान्यता विकसित करनी चाहिए, डिजिटल प्रमाणन प्रणालियों का विस्तार करना चाहिए, और क्वारंटीन सहयोग को सुदृढ़ करना चाहिए।
    - इससे बिना कमजोर किसानों को हानि पहुँचाए, कृषि व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा।
- **कृषि-प्रौद्योगिकी एवं अवसंरचना निवेश को प्रोत्साहन:** ऑस्ट्रेलिया उन्नत कृषि तकनीक, कोल्ड-चेन अवसंरचना, जल प्रबंधन प्रणाली और जलवायु-अनुकूल कृषि के माध्यम से योगदान दे सकता है।
    - “इंडिया-ऑस्ट्रेलिया स्मार्ट फार्म नेटवर्क” जैसी पहलें सकारात्मक कदम हैं।
- **महत्वपूर्ण खनिज एवं ऊर्जा में सहयोग का विस्तार:** लिथियम आपूर्ति श्रृंखला, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन में दीर्घकालिक साझेदारी दोनों देशों की आर्थिक सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकती है।
- **जन-से-जन एवं शैक्षिक संबंधों को प्रोत्साहन:** विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और कौशल विकास केंद्रों के बीच अधिक सहयोग सामाजिक एवं आर्थिक एकीकरण को सुदृढ़ कर सकता है।

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: प्रस्तावित भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA) में निहित अवसरों एवं चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। दोनों देश अपने-अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए ‘व्यापार एवं विश्वास की बाधा’ को किस प्रकार समाप्त कर सकते हैं?

स्रोत: TH

■■■■